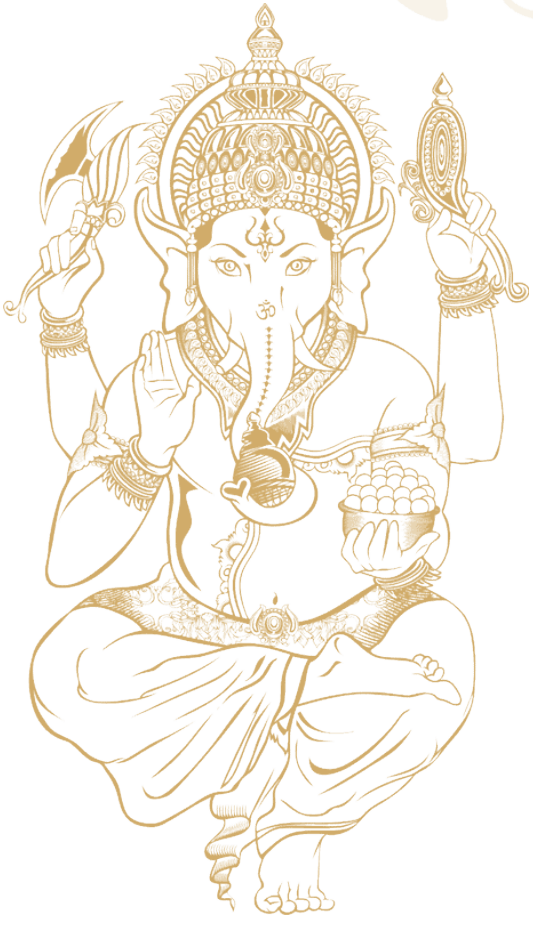

Manan Bajaj

16 Mar 1996

03:55 PM

Muktsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120989503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/1996**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:55:00 घंटे**
इष्ट	23:05:44 घटी
स्थान	**Muktsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:30:00 उत्तर
रेखांश	74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:23:16 घंटे
वेलान्तर	-00:08:36 घंटे
साम्पातिक काल	03:00:25 घंटे
सूर्योदय	06:40:42 घंटे
सूर्यास्त	18:40:27 घंटे
दिनमान	11:59:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:18:47 मीन
लग्न के अंश	27:35:55 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:35:55	305:35:01	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मीन	02:18:47	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	22:01:55	14:32:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:47:13	00:47:00	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	21:24:39	01:47:25	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	20:17:15	00:08:12	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मेष	17:32:47	01:04:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	03:29:54	00:07:27	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कन्या	23:26:57	00:02:51	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	23:26:57	00:02:51	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	09:38:02	00:02:28	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	03:25:27	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:16:41	00:00:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	23:45:52	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:21

लग्न-चलित

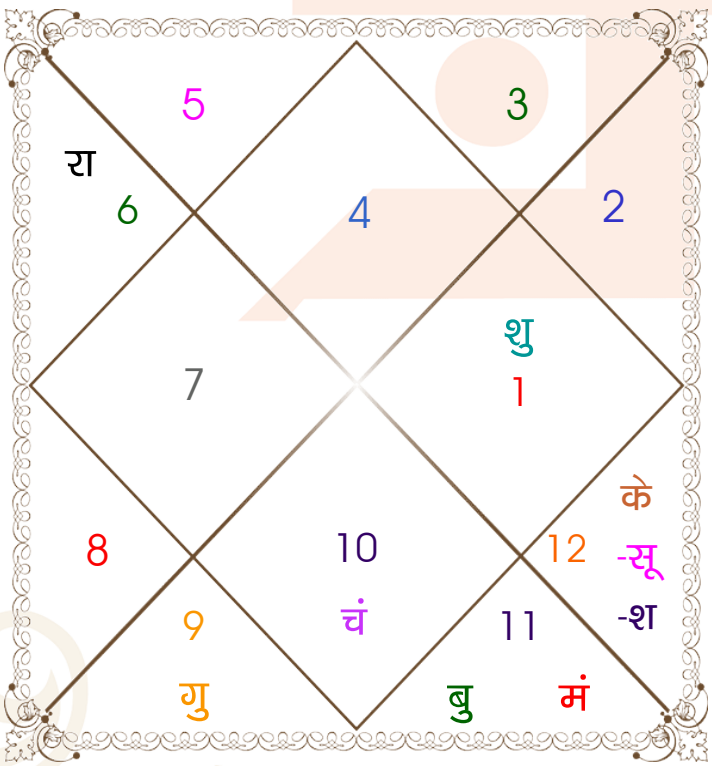

चन्द्र कुंडली

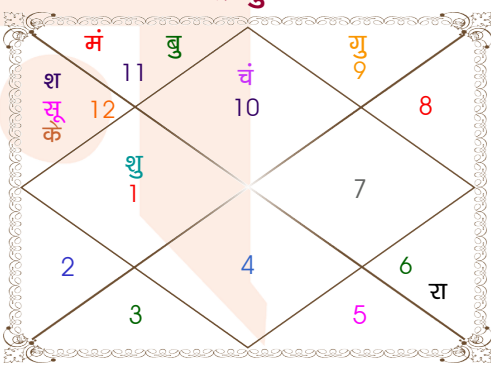

नवमांश कुंडली

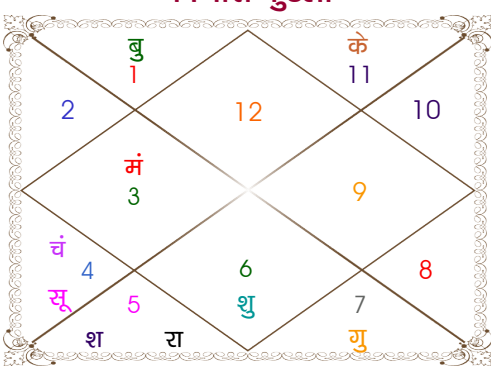

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 11 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/03/1996		08/03/1997		07/03/2004		08/03/2022		08/03/2038	
08/03/1997		07/03/2004		08/03/2022		08/03/2038		08/03/2057	
	00/00/0000	मंगल	04/08/1997	राहु	19/11/2006	गुरु	25/04/2024	शनि	11/03/2041
	00/00/0000	राहु	22/08/1998	गुरु	13/04/2009	शनि	06/11/2026	बुध	19/11/2043
	00/00/0000	गुरु	29/07/1999	शनि	18/02/2012	बुध	11/02/2029	केतु	28/12/2044
	00/00/0000	शनि	06/09/2000	बुध	07/09/2014	केतु	18/01/2030	शुक्र	27/02/2048
	00/00/0000	बुध	03/09/2001	केतु	25/09/2015	शुक्र	18/09/2032	सूर्य	08/02/2049
	00/00/0000	केतु	30/01/2002	शुक्र	25/09/2018	सूर्य	07/07/2033	चंद्र	10/09/2050
	16/03/1996	शुक्र	01/04/2003	सूर्य	19/08/2019	चंद्र	06/11/2034	मंगल	19/10/2051
शुक्र	06/09/1996	सूर्य	07/08/2003	चंद्र	17/02/2021	मंगल	13/10/2035	राहु	25/08/2054
सूर्य	08/03/1997	चंद्र	07/03/2004	मंगल	08/03/2022	राहु	08/03/2038	गुरु	08/03/2057

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/03/2057		08/03/2074		08/03/2081		09/03/2101		09/03/2107	
08/03/2074		08/03/2081		09/03/2101		09/03/2107		00/00/0000	
बुध	04/08/2059	केतु	04/08/2074	शुक्र	07/07/2084	सूर्य	26/06/2101	चंद्र	08/01/2108
केतु	31/07/2060	शुक्र	04/10/2075	सूर्य	07/07/2085	चंद्र	26/12/2101	मंगल	08/08/2108
शुक्र	01/06/2063	सूर्य	09/02/2076	चंद्र	08/03/2087	मंगल	03/05/2102	राहु	06/02/2110
सूर्य	07/04/2064	चंद्र	09/09/2076	मंगल	07/05/2088	राहु	27/03/2103	गुरु	08/06/2111
चंद्र	06/09/2065	मंगल	05/02/2077	राहु	08/05/2091	गुरु	14/01/2104	शनि	07/01/2113
मंगल	03/09/2066	राहु	24/02/2078	गुरु	06/01/2094	शनि	26/12/2104	बुध	08/06/2114
राहु	23/03/2069	गुरु	31/01/2079	शनि	08/03/2097	बुध	01/11/2105	केतु	07/01/2115
गुरु	29/06/2071	शनि	10/03/2080	बुध	07/01/2100	केतु	09/03/2106	शुक्र	17/03/2116
शनि	08/03/2074	बुध	08/03/2081	केतु	09/03/2101	शुक्र	09/03/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।